पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/24-26 प्रकाशित 16.03.2024 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

सार्वदेशिक आर्य वीरांगना शिविर

दिनांक 8 जून से
16 जून 2024 तक
राजकीय कन्या विद्यालय,
ग्राम व डाक खाना–गंधारा,
तहसील सांपला, जिला रोहतक
में आयोजित किया जाएगा।
सम्पर्क: मृदुला चौहान,
9810702760

वर्ष-40 अंक-20 चैत्र-2080 दयानन्दाब्द 201 16 मार्च से 31 मार्च 2024 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 16.03.2024, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

ओ३म्

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्

अमर शहीद भगतसिंह, राजगुरु, सुखदेव के 93वें बलिदान दिवस पर

संगीत संध्या : एक शाम शहीदों के नाम

शनिवार, 23 मार्च 2024, शाम 4:30 से 7:30 बजे तक

स्थान: आर्य समाज लाजपत नगर-II, निकट बिजली घर, नई दिल्ली

मुख्य अतिथि: श्री एम.एस बिट्टा (अध्यक्ष अखिल भारतीय आंतकवाद विरोधी मोर्चा)

अध्यक्षता – ठाकुर विक्रम सिंह जी (संस्थापक अध्यक्ष राष्ट्र निर्माण पार्टी)

विशिष्ट अतिथि – श्री आनन्द चोहान (निदेशक एमेटी शिक्षण संस्थान)
आर्य रविदेव गुप्ता (प्रधान दक्षिणी दिल्ली वेद प्रचार मंडल)

गायक कलाकार – श्री अंकित उपाध्याय व प्रवीन आर्या 'पिंकी'

गरिमामयी उपस्थिति

श्री अजय चौहान
पं. मेघश्याम वेदालंकार
श्री रमेश गाडी
श्री योगराज अरोड़ा
श्री विजय मलिक
श्री सुशील आर्य
श्री राजेन्द्र वर्मा
श्री ओमप्रकाश यजुर्वेदी
श्री आर.पी. सूरी
श्रीमती सोनिया संजू
श्रीमती सुनीता रसोत्रा
श्री राकेश चोपड़ा
श्रीमती विद्योत्तमा झा
श्री ए. सी. धीर
श्रीमती रेणू चौधरी
श्री महावीर सिंह आर्य
श्री एच.एन. मिथरानी
श्री चतर सिंह नागर
श्री धर्मवीर पवार
श्री प्रकाशवीर शास्त्री
श्री विद्या प्रसाद मिश्रा
श्रीमती ऋचा गुप्ता
श्री हरिचन्द
श्रीमती राधा भारद्वाज
श्री ओम सपरा
श्रीमती रवि कांता अरोड़ा
श्री वेद प्रकाश आर्य
श्रीमती विमलेश बंसल
श्री ओम प्रकाश सैनी
श्री रामफल खर्ब
श्री यशोवीर आर्य
श्री ओमबीर सिंह आर्य
प्रि. अंजु मेहरोत्रा
श्री भारतभूषण साहनी
श्री हरीश धवन
श्री मनमोहन सपरा
श्री जितेन्द्र डावर
श्री ओम प्रकाश छाबडा
श्री गजेन्द्र चौहान
श्री रविन्द्र आर्य
श्री स्वदेश शर्मा
श्री महेन्द्र जेटली
श्री सहदेव नागिया
श्री वेद खट्टर
श्री देवदत्त आर्य
श्री रामकुमार आर्य
श्री कृष्णलाल राणा
प्रि. अर्चना पुष्करणा
श्री एच.आर. साहनी
श्री प्रवीन आर्य
श्री बी.एम. बख्शी
श्री सुरेश आर्य

ऋषि लंगर: रात्रि 7.30 बजे, प्रबंधक: भारतभूषण कपूर व अजय कपूर

आप सपरिवार सादर आमंत्रित हैं

अनिल आर्य	महेन्द्र भाई	देवेन्द्र भगत	राजेश मेहन्दीरत्ता	सुरेन्द्र शास्त्री
संयोजक	महामंत्री	राष्ट्रीय मंत्री	प्रधान आर्य समाज	मंत्री आर्य समाज
9810117464	9013137070	9958889970	9899248298	9310909303

शकुन्तला नांगिया	सुप्रिया कपूर	सुरेन्द्र तलवार	अनिल मिगलानी	पुष्पा शास्त्री
प्रधाना, स्त्री समाज	मंत्रिणी स्त्री समाज	स्वागताध्यक्ष	कोषाध्यक्ष	कोषाध्यक्ष

200वीं दयानन्द दशमी सम्पन्न

आर्य समाज की प्रेरणा से कई सुधार हुए –पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा

समाज में बढ़ता पाखंड चिंता का विषय –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

नई दिल्ली, मंगलवार 5 मार्च 2024, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में आर्य समाज के संस्थापक,महान समाज सुधारक महर्षि दयानन्द सरस्वती की 200 वीं दशमी पर 11 कुण्डीय महायज्ञ डा.जयेन्द्र आचार्य के ब्रह्मत्व में सांसद प्रवेश वर्मा के निवास 20, विंडसर पैलेस, जनपथ में संपन्न हुआ। दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों से सैकड़ों लोग उपस्थित थे। मुख्य अतिथि पूर्व केन्द्रीय मंत्री विक्रम वर्मा ने कहा कि आर्य समाज से प्रेरणा पाकर समाज में अनेकों सुधार हुए।आज इस अभियान को और तीव्र गति से चलाने की आवश्यकता हैप्उन्होंने स्वदेशी और हिन्दी भाषा को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। सांसद प्रवेश वर्मा ने स्वामी दयानन्द के आदर्शों को जीवन में धारण करने की अपील की। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि आज शिक्षा का किताबी ज्ञान तो बढ़ रहा है लेकिन पाखंड अन्धविश्वास भी बढ़ रहे हैं जिसे आर्य समाज ने जागरूकता अभियान से ठीक करना है। कुरुक्षेत्र से पधारे स्वामी संपूर्णा नन्द ने कहा कि आज भारत देश प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों सुरक्षित है।देश विदेश में ख्याति फैल रही है। वैदिक विद्वान डा जयेंद्र आचार्य ने कहा कि महर्षि दयानंद जी के नारी जाति पर असंख्य उपकार हैं,उन्होंने समाज सुधार,नारी शिक्षा व वेदों को पढ़ने पढ़ाने पर बल दिया।बाल विवाह को निषेध किया व

शेष पृष्ठ 4 पर

आर्य नेता राजेश मेहंदीरता व सुरेन्द्र शास्त्री का अभिनंदन

रविवार 10 मार्च 2024, आर्य समाज लाजपत नगर नई दिल्ली के प्रधान श्री राजेश मेहंदीरता के 80 वे जन्मदिन पर विशेष यज्ञ प. मेघश्याम वेदालंकार जी ने करवाया। प्रथम चित्र राजेश मेहंदीरता जी का अभिनंदन व द्वितीय चित्र मे मंत्री सुरेन्द्र शास्त्री जी का अभिनंदन करते अनिल आर्य, पुष्पा शास्त्री, भारत भूषण कपूर, अजय कपूर व पिंकी आर्य।

निमन्त्रणः केन्द्रीय आर्य युवक परिषद की बैठक 7 अप्रैल का

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी व सक्रिय कार्यकर्ताओं की एक आवश्यक बैठक **रविवार 7 अप्रैल 2024** को प्रातः 11.30 बजे **सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा मुख्यालय दयानन्द भवन, आसिफ अली रोड, नई दिल्ली** में बुलायी गयी है। बैठक में गत कार्यक्रमों की समीक्षा की जाएगी एवं विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर दिनाँक 1 जून से 9 जून 2024 तक एमिटी इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर 44, नोएडा की व्यापक तैयारी पर विचार किया जाएगा।

सभी प्रान्तीय अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष अपने अपने राज्यों, जिलों के शिविर की रूपरेखा आदि तैयार करके लाए। बैठक के पश्चात् दोपहर 2.00 बजे 'प्रीति भोज' ग्रहण करे।

भवदीयः

अनिल आर्य, राष्ट्रीय अध्यक्ष **महेन्द्र भाई, महामंत्री** **धर्मपाल आर्य, कोषाध्यक्ष**

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल से 625वां वेबिनार सम्पन्न

'विचार शक्ति से उत्तम स्वास्थ्य' विषय पर गोष्ठी सम्पन्न

सैर, बातचीत और हंसना आवश्यक है –आचार्या सीमा स्वस्ति

सोमवार 11 मार्च 2024,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'विचार शक्ति द्वारा उत्तम स्वास्थ्य की प्राप्ति' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। य़ह कोरोना काल से 625 वां वेबिनार था। मुख्य वक्ता आचार्य सीमा स्वस्ति ने कहा कि सैर,मित्रों से बातचीत और हंसना उत्तम स्वास्थ्य के लिये आवश्यक है।उन्होंने कहा कि जीवन को आसान और शरीर को स्वस्थ कैसे बनें? आप अपनी विचार शक्ति से आप अपना शरीर पूर्ण रूप से स्वस्थ कर सकते हैं। थोड़ा थोड़ा धन्यवाद करते रहिए। वाकिंग,टॉकिंग एंड लाफिंग ये तीन सूत्र व्यक्ति के जीवन के लिए महत्वपूर्ण है।सबके लिए कुछ अच्छा सोच कर अपना जीवन बनाये।जो मिला है,उसका सम्मान करें।मन की सुन कर, मस्तिष्क को नियन्त्रण में रख कर आगे बढ़ें।विनम्रता पूर्वक और दृढ़ता से अपनी बात रख कर अपने संबधों को बना कर रखिए। अपने विचारों को साफ स्पष्ट रख कर अपना जीवन सरल और सहज बनाएं।पहले स्वयं को,फिर दूसरों को क्षमा कर के जीवन को मुस्कुरा कर जिएं।हर परिस्थिति को शांति से देखना शुरू कीजिए। अपने शरीर को साफ और निर्मल रखें।खुद की नई सोच पैदा करके अपनी राह खुद बनाएं।अपनी सोच से अपने निर्णय लेना सीखें। यही स्वस्थ और सहज जीवन का मूल मंत्र है।आइए स्वस्थ रहने की आदत डालें। मुख्य अतिथि अनिता रेलन व अध्यक्ष राजश्री यादव ने भी मन के हारे हार है,मन जीते जगजीत बात कर अपने विचार रखे।परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया व राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका सुमित्रा गुप्ता (93 वर्षीय), उषा सूद (88 वर्षीय), कमला हंस, प्रवीना ठक्कर, रविन्द्र गुप्ता, कौशल्या अरोड़ा, जनक अरोड़ा, कुसुम भंडारी, ललिता धवन आदि के मधुर भजन हुए।

'निराला दयानन्द' पर गोष्ठी सम्पन्न

महर्षि दयानन्द ने वेद भक्त, ईश्वर भक्त व देश भक्त दिए –आचार्य श्रुति सेतिया

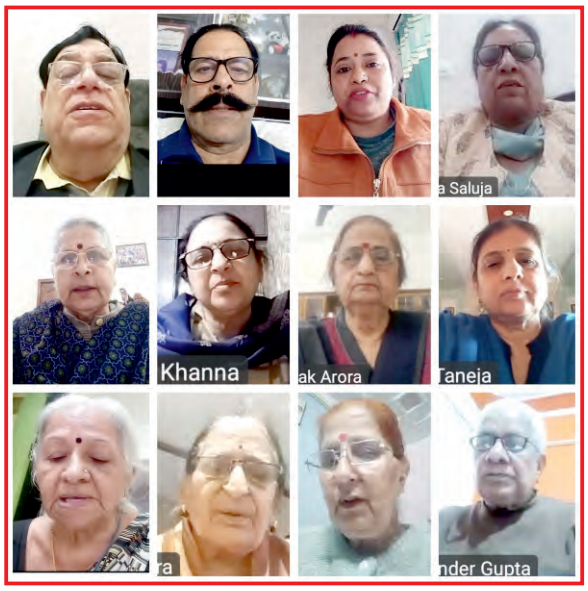

सोमवार 4 मार्च 2024, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'निराला दयानन्द' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। वैदिक विदुषी आचार्य श्रुति सेतिया ने कहा कि ऋषि दयानंद सच्चे ब्रह्मचारी, योगी तथा वेदों के सर्वोत्कृष्ठ ऋषि व विद्वान थे।उन्होंने मनुस्मृति में बताए धर्म के दस लक्षणों को धारण किया हुआ था। उनके जैसा महापुरुष वा योगी इतिहास में दूसरा नहीं हुआ है। उनसे पूर्व के महापुरुषों में अविद्या को दूर करने का दृढ़ संकल्प तथा वैदिक साहित्य का अध्ययन व धर्म प्रचार का कार्य अन्य किसी विद्वान ने नहीं किया जैसे ऋषि दयानंद ने किया।ऋषि दयानंद ने आर्य व हिंदुओं के आलस्य प्रमाद तथा विधर्मियो के छल कपट, प्रलोभन एवम् अन्य अशुभ इरादों वा कार्यों से विलुप्त व नष्ट हो रही सनातन वैदिक धर्म व संस्कृति की रक्षा की।ऋषि दयानंद ने एक महत्वपूर्ण कार्य यह भी किया कि उन्होंने वेद एवम् सभी शास्त्रों के प्रमाणों से युक्त वैदिक धर्म के स्वरूप पर सत्यार्थ प्रकाश, ऋग्वेद आदि भाष्यभूमिका, संस्कार विधि,आर्यभिविनय, व्यवहारभानु, गौ करुणानिधि, पंच महायज्ञ विधि जैसे महत्वपूर्ण ग्रंथ लिखे हैं।ऋषि दयानंद संस्कृत व हिंदी में वेद भाष्य करने सहित सत्यार्थ प्रकाश एवम् ऋग्वेद आदि भाष्य भूमिका जैसे महत्व पूर्ण ग्रंथो की रचना करने से ऋषि सिद्ध हो जाते हैं।उन्होंने यह कार्य तो किया,इसके साथ ही उन्होंने समाज सुधार,देश की एकता व अखंडता सहित देश की परा धीनता को दूर का इसे आर्यों का स्वतंत्र देश बनाने का स्वप्न भी देखा था।उन्होंने अपने व्यक्तित्व से उच्च कोटि के ईश्वर,वेद और देश भक्त दिए हैं।उन्होंने विश्व की जनता को ईश्वर के सच्चे स्वरूप, गुण,कर्म स्वभाव व उपासना की विधि प्रदान की ओर से वायु को शुद्ध करने सहित दीर्घ आयु से युक्त व सुखी जीवन के आधार पर अग्निहोत्र यज्ञ की विधि देकर सर्वत्र उसे प्रचलित किया। ऋषि दयानंद ने आर्य साहित्य निर्माण करने सहित वेद भाष्य का कार्य भी किया और वेद वचन कृणवंतो विश्वार्यम से हमें परिचित कराया।हम समझते हैं कि महाभारत काल के बाद पांच हजार वर्षों में ऋषि दयानंद के समान वेदों के ज्ञान से प्रकाशमान व महापुरुषों के दिव्य गुणों से युक्त ऋषि व महर्षि उत्पन्न नहीं हुआ। मुख्य अतिथि आर्य नेत्री पूजा सलूजा व अध्यक्ष विनीता खन्ना ने भी महर्षि दयानन्द के जीवन पर प्रकाश डाला।परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया व राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका पिंकी आर्य, प्रवीना ठक्कर,रविन्द्र गुप्ता, कौशल्या अरोड़ा, जनक अरोड़ा, विजय खुल्लर, संतोष धर, प्रतिभा कटारिया, ललिता बजाज आदि के मधुर भजन हुए।

'पंकज उधास श्रद्धांजलि गीत' सम्पन्न

कलाकार सदैव जीवित रहते हैं –अनिल आर्य

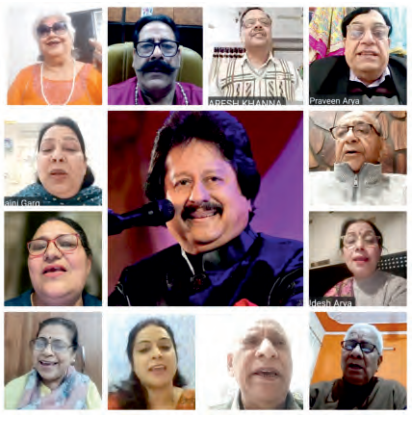

शुक्रवार 1मार्च 2024, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में महान गीतकार 'पंकज उधास' को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए गीत माला का ऑनलाइन आयोजन किया गया। य़ह करोना काल से 622 वा वेबनार था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि कलाकार कभी मरते नहीं अपितु सदैव जीवित रहते हैं, पंकज उधास महान कलाकार थे उन्होंने लोगों को आत्मिक शांति और जीवन प्रदान किया। गायिका प्रवीण आर्य 'पिंकी' ने 'चांदी जैसा रंग है तेरा', नरेंद्र आर्य सुमन ने 'चिट्ठी आई है', नरेश खन्ना ने 'चिट्ठी न कोई संदेश' आदि गीत सुना कर उन्हें याद किया। अन्य गायकों रविन्द्र गुप्ता, दीप्ति सपरा, जनक अरोड़ा, रचना वर्मा, रजनी गर्ग, सुदेश आर्य, के एल मल्होत्रा, प्रवीण आर्य गाजियाबाद, प्रतिभा खुराना आदि ने उनके गीत गाकर भाव विभोर कर दिया। परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया व प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

जहां होता है भरपूर काम और प्रभु का गुणगान आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

'ऋषि बोध उत्सव की प्रासंगिकता' पर गोष्ठी सम्पन्न

स्वदेश, स्वभाषा, स्वधर्म के उपासक बनें –प्रो. नरेंद्र आहूजा विवेक

शुक्रवार 8 मार्च 2024,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में महर्षि दयानन्द सरस्वती के बोध दिवस (शिवरात्रि) पर 'ऋषि बोध उत्सव की प्रासंगिकता' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह कोरोना काल से 624 वां वेबिनार था। मुख्य वक्ता प्रो. नरेंद्र आहूजा विवेक (एम वी एन विश्व विद्यालय) ने ऋषि बोधोत्सव पर देव दयानन्द के बोध से शिक्षा ग्रहण करके राष्ट्र प्रथम रखते हुए राष्ट्र निर्माण का आह्वान किया। भाजपा नेता प्रोफेसर नरेन्द्र विवेक ने कहा की स्वदेश, स्वभाषा,स्वधर्म ही हमारी एकता को कायम रख सकता है।एकता के बिना हम फूट के रोग का शिकार होकर हम अपनी स्वतंत्रता सम्प्रभुता अखण्डता को अक्षुण्ण नहीं रख सकते।एकता, राष्ट्रीय सुरक्षा एवं प्रगति के लिए अत्यंत आवश्यक है,हम सभी एक परिवार के सदस्य बनें।ऋषि दयानन्द ने सर्वप्रथम स्वराज्य, साम्राज्य और अखण्ड सार्वभौमिक चक्रवर्ती राज्य की चर्चा सर्वप्रथम अपने लेखों में की थी।ऋषि दयानन्द के शब्दों में सृष्टि के निर्माण से लेकर पांच हज़ार वर्ष पूर्व समय पर्यन्त आर्यों (अर्थात हमारा) का सार्वभौमिक चक्रवर्ती अर्थात भूगोल में सर्वोपरि एकमात्र राज्य था।राष्ट्र या स्वराज्य के लिए संगठन पहली शर्त है।देशवासियों के संगठित हुए बिना राष्ट्रीय भावना ना पनप सकती है और ना सुदृढ हो सकती है।हम सभी आर्यों को ऋषि बोधोत्सव पर ऋषि को सच्ची श्रद्धांजलि देते हुए राष्ट्र के उद्देश्य को प्राप्त करते हुए अपने राष्ट्र को विश्वगुरु बनाने के लिए काम करना होगा। मुख्य अतिथि आर्य नेता कृष्ण कुमार यादव व अध्यक्ष डॉ. गजराज सिंह आर्य ने भी महर्षि के आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया।परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि महर्षि दयानन्द ने ही सर्वप्रथम स्वदेशी का नारा देते हुए कहा था कि ष्कोई कितना भी करे पर स्वदेशी राज्य सर्वोत्तम है। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका पिंकी आर्या, जनक अरोड़ा, अंजू आहूजा, कमला हंस, प्रवीना ठक्कर, रविन्द्र गुप्ता, सन्तोष धर आदि के मधुर भजन हुए।

127 वें बलिदान दिवस पर पं. लेखराम को दी श्रद्धांजलि

धर्मान्तरण को रोकना ही पं. लेखराम को श्रद्धांजलि –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

शुद्धि आन्दोलन की भेंट चढ़ गए पंडित लेखराम –महेन्द्र भाई

बुधवार 6 मार्च 2024, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में अमर शहीद,रक्त साक्षी प. लेखराम आर्य मुसाफिर के 127 वें बलिदान दिवस पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।उल्लेखनीय है कि एक धर्मान्ध मुसलमान द्वारा शुद्धि अभियान से रूष्ट होकर 6 मार्च 1897 को लाहौर में छुरा मारकर उनकी हत्या कर दी गई थी। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि सत्यनिष्ठ,धर्मवीर,आत्म बलिदानी पं लेखराम अडिग ईश्वर विश्वासी,महान मनीषी,स्पष्ट निर्भीक वक्ता,आदर्श धर्म प्रचारक,त्यागी तपस्वी गवेषक,अच्छे लेखक थे। धर्मान्तरण रोकने और धर्मान्तरित लोगों की घर वापसी व शुद्धि करण के लिए ही पण्डित लेखराम ने अपना जीवन आहूत कर दिया और उनकी हत्या कर दी गई।पं.लेखराम ने महर्षि देव दयानन्द जी का जीवन चरित्र लिखने के लिए पूरे देश में घूम घूम कर प्रमाण एकत्रित किए।आज जब देश में दलित हिन्दु वर्ग का धर्मान्तरण ईसाई मिशनरियों द्वारा पूरे जोरों से किया जा रहा है तो हमारी पं लेखराम को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि आज देश में धर्मान्तरण को रोकने के लिए सबको पूर्ण प्रयास करना होगा।उन्होंने हिन्दू धर्म की रक्षा के लिए अपना बलिदान दे दिया। आचार्य महेन्द्र भाई ने कहा कि हिन्दु धर्म की रक्षा के लिए अनेको लोगों ने बलिदान दिये,उनमें पं. लेखराम का नाम गर्व से लिया जाता है।उन्होंने हिन्दुओं को मुसलमान बनाने के कार्य को रोका व किसी कारण धर्म परिवर्तन कर चुके हिन्दुओं के लिए यज्ञ द्वारा शुद्ध करके घर वापसी का मार्ग प्रशस्त किया।उनका पूरा जीवन वेद प्रचार व शुद्धि आंदोलन के लिए समर्पित रहा।आज उनके बलिदान से प्रेरणा लेकर हिन्दु समाज को संगठित करने की आवश्यकता है तभी आने वाली बाधाओं से मुकाबला कर सकते हैं। आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के प्रान्तीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने भी शुद्धि आंदोलन को राष्ट्र हित में प्रभावी बताया।उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को हिन्दू धर्म के योद्धाओं के इतिहास को बतलाने की आवश्यकता है और घर वापसी के अभियान चलाने की आवश्यकता है। पूर्व मेट्रो पोलेटिन मैजिस्ट्रेट ओम सपरा ने कहा कि पं. लेखराम ने महर्षि दयानन्द की वैदिक मान्यताओं,सिद्धान्तों व उद्देश्यों के प्रचार को ही अपने जीवन का उद्देश्य बनाया था और अपनी योग्यता व पुरुषार्थ से वैदिक धर्म की महत्वपूर्ण सेवा व रक्षा की, उन्होंने अपने आगे पीछे कपड़े पर आर्य समाज के नियम लिखकर टांग रखे थे।सम्पूर्ण आर्य जगत् व सभी वैदिक धर्मी उनकी सेवाओं एवं बलिदान के लिए सदा–सदा के लिए ऋणी व कृतज्ञ हैं।उनके बलिदान ने यह सिद्ध कर दिया कि वैदिक धर्म के विरोधियों के पास वेद और आर्यसमाज के सिद्धान्तों की काट व उनका उत्तर नहीं है।आज फिर से पं.लेखराम जैसे वीरो की आवश्यकता है जो शास्त्रार्थ से वेद विरुद्ध बातों का युक्ति युक्त उत्तर दे सकें और विधर्मी हुए लोगों को शुद्ध करके वापिस हिन्दू धर्म में दीक्षा दे सकें। समारोह अध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि धर्मवीर पण्डित लेखराम ने अपनी नश्वर देह का त्याग करते हुए आर्यो को यह सन्देश दिया था, ''तकरीर व तहरीर से प्रचार का कार्य बन्द न हो।" आज आर्यों को उनकी इस वसीयत को पूरा करना है,तभी भविष्य में वेदाज्ञा 'कृण्वन्तो विश्वमार्यम्' चरितार्थ हो सकता है। प्रवीण आर्य पिंकी, अनिता रेलन, कृष्णा पाहुजा, राजेश मेहन्दीरता, सुदेश आर्य आदि के मधुर भजन हुए।

पृष्ठ 2 का शेष

सती प्रथा को भी अनुचित ठहराया।उन्होंने विधवा विवाह का समर्थन किया।स्वामी जी का मानना था कि नर नारी सब एक समान है सबको यज्ञ करने का समान अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट की वरिष्ठ अधिवक्ता संध्या बजाज ने कहा कि नारी अब अबला नहीं सबला है और हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही है। साध्वी उत्तमायती ने अपनी बेटियों को बहादुर, स्वालम्बी, शिक्षित करने का आह्वान किया, उन्हें ऐसा मजबूत बनाये जिससे वह जिंदगी के रणक्षेत्र में अपने भाग्य निर्माता स्वयं बन सके। साहित्यकार एवं लेखक आचार्य रवि देव गुप्ता ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि स्वामी दयानन्द सरस्वती के मानस पुत्र स्वामी श्रद्धानंद को हम इसलिए याद करते हैं क्योंकि उन्होंने स्वामी दयानन्द के स्वप्नों को साकार किया था।आज हमें मक्खन की तरह दूध में घुल कर रहना है और यह सब गुरुकुल परम्परा से होगा।इसी से भारत विश्वगुरू होगा। आचार्य संजीव रूप जी बदायूं व पिंकी आर्य के मधुर भजन हुए। प्रमुख रूप से आचार्य महेन्द्र भाई, यशोवीर आर्य,देवेन्द्र भगत, प्रवीण आर्य, रामकुमार आर्य, ओम सपरा, राजेश मेहंदीरता ,आचार्य गवेन्द्र शास्त्री,पार्षद यशपाल आर्य ने भी अपने विचार रखे। समारोह में मुख्य रूप से सर्वश्री डा. प्रमोद सक्सैना,कैप्टन अशोक गुलाटी,राज कुमार भण्डारी,कुसुम भंडारी,प्रेम सचदेवा,अनिता रेलन, प्रकाशवीर शास्त्री, रोहित आर्य, स्वदेश शर्मा, वेद प्रकाश आर्य, सोनिया संजू, सुशील बाली, वरुण कथूरिया,गंगा शरण आर्य, कृष्णा पाहुजा,माया राम शास्त्री आदि उपस्थित थे।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**, 2199/63,नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 **मो.**: 9810580474
से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970